Raj Express (Indore), 03rd February 2024, Page – 11

आयोजन आईआईटी इंदौर में संस्कृत भाषा के पास स्टूडेंट्स के लिए प्रमाण पत्र वितरण समारोह

संस्कृत भाषा के 54 स्टूडेंट्स ने परीक्षा में भाग लिया

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में संस्कृत भाषा के पास स्टूडेंट्स के लिए प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। आईआईटी इंदौर और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के संयुक्त प्रयास से इंदौर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र 2022-23 (दस महीने) शिक्षा-वर्ष में संस्कृत भाषा के 54 स्टूडेंट्स ने परीक्षा में भाग लिया। इस परीक्षा में सभी स्टूडेंट्स ने अच्छे अंकों के साथ परीक्षा पास की।

प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सायली विखरणकर को आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने स्वर्णपदक से पुरस्कृत किया। इस स्वर्ण पदक को संस्थान के सह प्राध्यापक डॉ. विनोद कुमार ने अपनी पितामही स्वर्गीय कुसमा देवी की स्मृति मे प्रदान किया है। सायली ने अपने अनुभव को संस्कृत भाषा में व्यक्त करते हुए कहा- संस्कृतं न केवलं भाषा अस्ति अपितु ज्ञानस्य विज्ञानस्य चिकित्सा शास्त्रस्य च भाषा अस्ति। संस्कृतं पठित्वा अहं आधुनिकशोधकार्येषु उपयोगं कर्तुं प्रयत्नं कुर्वती अस्मिज्ज् इति।

सरल और सुमधुर है संस्कृत भाषा

इस अवसर पर, संस्थान के भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान परम्परा केंद्र के प्रभारी प्राध्यापक और संस्कृत पाठ्यक्रम के केंद्राधिकारी डॉ. जी. सूर्यनारायण मूर्ति ने संस्कृत के साथ विज्ञान के संबंध के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। साथ में, डॉ. विनोद कुमार और डॉ. ईश्वर प्रसाद कोरिमिलि ने अपने भाषण में भौतिकी, धातुकर्म में संस्कृत का उपयोग कैसे करें, उसके बारे में विस्तृत वर्णन किया। अनौपचारिक केंद्र के शिक्षक अमरेश अधिकारी ने कहा संस्कृत भाषा सरल और सुमधुर है और इसे सभी वर्ग के लोग सीख सकते हैं।